आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 46 अंक 47 (प्रति रविवार) इंदौर, 13 अगस्त से 19 अगस्त 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने फहराया तिरंगा

जनता से किया विकास और सुरक्षा का वादा

भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ आवाज उठाने की अपील, भाषण में किया तीन बुराईयों का जिक्र

नई दिल्ली। देशभर में आज मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस पूरे जोशो-खरोश व धूमधाम से मनाया जा रहा है। बच्चे, बूढ़े नौजवान सहित पूरा राष्ट्र इस आजादी के जश्न में डूबा हुआ है। वहीं लाल किले की प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रध्वज फहराकर सलामी ली और देश की जनता के नाम अपना संबोधन दिया। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर लगातार 10वीं बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित किया। इस अवसर पर पीएम ने ये ऐलान भी किया कि वो अगले वर्ष फिर से देशवासियों को संबोधित करेंगे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देने के साथ की। इस दौरान उन्होंने तीन बुराईयों भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण का जिक्र किया और इन्हें को लोकतंत्र की तीन ऐसी विकृतियां करार दिया, जिनसे देश तथा समाज का बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इन तीनों 'बीमारियों' के खिलाफ उनकी जंग जारी रहेगी।

लाल किले की प्राचीर से 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में अगर कुछ रुकावटें हैं तो ये विकृतियां ही हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 75 सालों में कुछ विकृतियां ऐसे घर कर गई हैं, हमारी सामाजिक व्यवस्था का ऐसा

हिस्सा बन गई हैं। कभी-कभी तो हम आंख भी बंद कर लेते हैं। लेकिन अब आंखें बंद करने का समय नहीं है। संकल्पों को सिद्ध करना है तो हमें आंख-मिचौली खत्म करके, आंख में आंख डालकर तीन बुराइयों से लड़ना है। यह समय की बहुत बड़ी मांग है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में भ्रष्टाचार है, जिसने दीमक की तरह देश की सारी व्यवस्थाओं को, देश के सामर्थ्य को पूरी तरह नोच लिया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए लड़ाई जारी रहेगी। राजनीति में परिवारवाद का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने देश को लूट लिया है और तबाह किया है। इसने जिस प्रकार से देश को जकड़ कर रखा है, उसने देश के लोगों का हक छीना है। तुष्टीकरण को तीसरी बुराई करार देते हुए मोदी ने कहा कि इसने देश के मूलभूत चिंतन और सर्वसमावेशी राष्ट्रीय चरित्र को दाग लगाया है और उसे तहस-नहस कर दिया है। बगैर किसी राजनीतिक दल का नाम लिए उन्होंने कहा कि इन लोगों ने देश का बहुत नुकसान किया है। इन तीनों बुराइयों के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना है। भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण देश के लोगों की आकांक्षाओं का दमन करते हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब हों, दलित हों, पिछड़े हों, पसमांदा हों या फिर आदिवासी भाई-बहन, इनके हक के लिए तीनों बुराइयों से मुक्ति पानी है।

राष्ट्र के नाम संदेश में राष्ट्रपति ने कहा

भारतीय होना सबसे महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। भारत 15 अगस्त को 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संदेश दिया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा, सभी देशवासी उत्साह के साथ अमृत महोत्सव मना रहे हैं। सभी लोग स्वतंत्रता दिवस को उत्साह के साथ मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ये मुझे बचपन की याद भी दिला रहा है। जब तिरंगा फहराया जाता था, तो लगता था कि शरीर में बिजली कौंध गई हो। ये सब उत्साह से भर देता था। स्वतंत्रता दिवस हमें ये याद दिलाता है कि हम व्यक्ति नहीं हैं, हम विश्व के सबसे बड़े नागरिक समुदाय हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है। चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है। लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है।

उन्होंने कहा, औपनिवेशिक शासन ने इसे खत्म करने की कोशिश की थी। 15 अगस्त 1947 को हम आजाद हुए। हमारा स्वाधीनता आंदोलन अद्भुत था। महान सभ्यता के मूल्यों को जन-जन में ले गए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा मुख्यमंत्री निवास में ध्वजारोहण

सुरक्षा अमले को प्रमाण पत्र और नगद प्रोत्साहन देने की घोषणा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता की वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री निवास में ध्वजारोहण किया। पुलिस की टुकड़ी द्वारा उन्हें सलामी दी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वतंत्रता की वर्षगांठ की सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा ध्वजारोहण किए जाने पर मुख्यमंत्री कार्यालय और निवास कार्यालय सहित मुख्यमंत्री सुरक्षा स्टाफ के समस्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उनकी सुरक्षा में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की उत्कृष्ट-सेवाओं के लिए उन्हें सम्मान स्वरूप प्रमाण-पत्र तथा पुरस्कार राजपत्रित अधिकारियों को प्रशंसा पत्र, निरीक्षक स्तर के स्टाफ को 7 हजार रूपए, उप निरीक्षक एवं सहायक उप निरीक्षक स्तर के स्टाफ को 6 हजार 500 रूपए तथा प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक को 6 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की।

संपादकीय

भ्रष्टाचार और कमीशन पर सियासत

मध्यप्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों ने द्वारा प्रदेश के 41 जिलों में कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की खबर है। कमीशन की चिट्ठी प्रियंका गांधी, कमलनाथ और अरुण यादव ने अपने ट्विटर हैंडल में डाली थी। इसके बाद सोशल मीडिया में यह चिट्ठी बड़ी तेजी के साथ वायरल हुई। सरकार और भाजपा संगठन हरकत में आया। ताबड़तोड़ तरीके से प्रदेश के 41 जिलों में दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई। पुलिस ने जो पत्र सोशल मीडिया में वायरल हुआ था उसकी जांच की, तो पता लगा कि शिकायतकर्ता का नाम और पता झूठा है। उसके बाद आरोप प्रत्यारोप की झड़ी लगइ गई। भाजपा और कांग्रेस के बीच में वह अर्थात पुलिस भी आ गई है। कांटेक्टर के हवाले से कमीशन को लेकर जो चिट्ठी लिखी गई थी। उस को आधार बनाकर पुलिस ने भाजपा पदाधिकारियों के आवेदन पर धारा 420 (धोखाधड़ी)ओर 469 कूट रचित इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को तैयार करने के आरोप में एफआइआर दर्ज की है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा इंदौर,ग्वालियर इत्यादि शहरों में प्रदर्शन भी किया गया। भाजपा संगठन ने आरोप लगाया है,कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी चिट्ठी लिखी गई है। प्रियंका गांधी,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और अरुण यादव के ट्विटर हैंडल को आधार बनाकर उन पर अपराध दर्ज कराया गया है। भाजपा संगठन का कहना है, कि सरकार को बदनाम करने के लिए चिट्ठी का यह षड्यंत्र रचा गया है। जिस पर पुलिस अपराधिक कार्यवाही करेगी। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कमीशन को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। 40 फ़ीसदी की सरकार कहकर कैंपन चलाया था। कांग्रेस उसी हथियार को अब मध्यप्रदेश में चलाना चाहती हैं। कर्नाटक में कांग्रेस को अप्रत्याशित सफलता मिली थी। इसको ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश भाजपा काफी सजग हो गई है। भाजपा ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती है। जिसका लाभ कांग्रेस को मिले। भाजपा इस मामले में काफी आक्रमक हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कांग्रेस नेताओं को घेरने के लिए 41 जिलों में आपराधिक मुकदमा दर्ज करा दिया। इस कार्रवाई के बाद एक संभावना यह भी व्यक्त की जाने लगी है, कि भाजपा अनजाने में कांग्रेश को राजनीतिक फायदा तो नहीं पहुंचा रही है? एक स्थान पर आपराधिक प्रकरण दर्ज होता, तो यह मामला इतना तूल नहीं पकडता। एक साथ तीन दर्जन से ज्यादा स्थानों पर जो एफआईआर कराई गई है। इसका राजनीतिक लाभ निश्चित रूप से कांग्रेस को मिलेगा। जो जन धारणा बनेगी, वह यह होगी कि चुनाव के पहले सरकार कांग्रेस नेताओं को आपराधिक मामलों में फंसाकर सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस चाहती है, कि उसके नेताओं के ऊपर इस तरीके के प्रकरण दायर हों। आम जनता के बीच, जो बात कांग्रेस नहीं पहुंच पा रही थी। उसे सत्तारुड़ दल भाजपा खुद पहुंच रहा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है, प्रदेश में भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी चरम सीमा पर है। आम आदमी भी भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी से परेशान है। जनता को भी यह विश्वास होने लगा है,कि सरकार अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए कांग्रेस नेताओं पर जबरदस्ती आपराधिक प्रकरण दर्ज कराकर, उन्हें डराने, धमकाने और प्रताड़ित करने का काम कर रही है। भाजपा इस मामले को जितना तूल देगी। इसका फायदा कांग्रेस को ही मिलेगा। जनता जो देख और महसूस कर, भोग भी रही है। उससे वह दूर कैसे हो सकती है। कांग्रेस के आरोपों पर भी अब आम जनता को विश्वास होने लगा है। कांग्रेस को तो पहले ही भ्रष्ट पार्टी मान लिया गया है। अब इस दौड़ में भाजपा भी शामिल होती जा रही है। भाजपा संगठन जिस तरह से कांग्रेस के ऊपर आरोपों की झड़ी लगाकर कांग्रेस का प्रचार प्रसार कर रही है। उसमें भाजपा यह भूल जाती है, कि पिछले साढे 18 साल से उसका ही सरकार है।

भारतीय आजादी के सवालों में अब हो नया सवेरा

ललित गर्ग

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर होते हुए एक बड़ा एवं बुनियादी प्रश्न खड़ा है कि क्या हम वास्तविक रूप में आजाद है? सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या हम आजादी के सही मायने जानते हैं? क्या हम आजादी का सही अर्थ समझ पाए हैं? ये तमाम प्रश्न न केवल हमारी आजादी पर प्रश्न चिह्न लगाते हैं, बल्कि समाज के बौद्धिक वर्ग व आम जनता को आजादी के सही मायने खोजने के लिए भी प्रेरित करते हैं। क्या हमारे पास ईमानदार एवं नैतिक होने की कोई आजादी बची है? क्या हम वास्तविक गरीबी की दबी हुई आवाजों के बीच जीवित रह सकते हैं? राजशाही के नाम पर और लोकतंत्र के नाम पर जिन्होंने हम पर शासन किया, उनके झूठ और धोखे से हमें क्या आजादी मिली? क्या हमारे राजनेता आम आदमी की तरह बारिश और भूकंप में भी नंगे पैर चलकर ऊंचे दफ्तरों तक जाते हैं? क्या उनका घर सड़क पर चलने वाले आम आदमी जितना छोटा है? इन स्थितियों के बीच आजादी की बात भ्रमपूर्ण ही प्रतीत होती है।

देश में बढ़ता भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण तथा गरीबी के कारण आजादी शब्द के मायने खत्म होते जा रहे हैं। जिस देश की जनता अपने लिए भर पेट भोजन जुटाने के काबिल भी नहीं वहां आजादी की बातें भी बंधन में जकड़ती महसूस होती हैं। इन अभावों के साथ कैसे कहें कि हम आजाद हैं। आज हम कहीं नक्सलवाद से लड़ रहे हैं तो कहीं आतंकवाद से, कहीं जातिवाद से तो कहीं भ्रष्टाचार से, और तो और हमारे देश की अधिकतर महिलाएं तो सिर्फ अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही हैं। आज भी उन्हें इंतजार है उस आजादी का, जो एक औरत को उसकी सही पहचान दिलाने में मदद करे, देश की आधी आबादी को इंतजार है उस आजादी का, जो उनकी प्रतिभा को पनपने के पूर्ण अवसर दें। देश की बहन-बेटियों को इंतजार है उस आजादी का, जहां वे बेखौफ रहकर अपने सम्मान की रक्षा कर पाएं। हमारे यहां उन्हें समानता का अधिकार देना तो दूर एक आम नागरिक होने तक का सम्मान प्राप्त नहीं है। इसलिए बार-बार उनके अस्तित्व व आत्मसम्मान को कुचला जाता है।

आजादी एक सार्वभौमिक एवं सर्वकालीन मूल्य है, इस मूल्य की प्रतिष्ठा के लिये निरन्तर समग्र क्रांति की अपेक्षा रहती है। जब तक व्यक्ति-व्यक्ति के संस्कारों एवं जीवनशैली में जमी दासता, हीनता, अनुशासनहीनता, उच्छृंखलता, जड़ता की परतें

नहीं उतर जाती, तब तक वास्तविक आजादी का स्वाद चखना मुश्किल है। यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि व्यक्ति के मनोभावों से समाज एवं राष्ट्र प्रभावित होता है। आजादी एक प्रकार की मनःस्थिति है, जो विचारों के केनवास पर आकार पाती है। आजादी का मूल्य देश, काल, व्यक्ति और परिस्थिति के सन्दर्भ में परिवर्तित होता रहा है। उसका कोई एक स्वरूप या धारणा नहीं है। इसलिये उन-उन सन्दर्भों में उसका सापेक्ष मूल्य करते हुए इसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि आजादी के नाम पर भी स्वच्छन्दता एवं उच्छृंखलता को प्रोत्साहन मिलता है। इसलिये सही अर्थ में आजाद या स्वतंत्र वही हो सकता है जिस पर अपना शासन हो। निज पर शासन फिर अनुशासन- यही वास्तविक आजाद होने का मर्म है। आत्मानुशासित व्यक्ति अपने परिवार, संगठन, समाज और राष्ट्र की उन सभी सीमाओं को स्वीकार करता है, जिनमें उसका व्यक्तित्व विकास होता है, समाज एवं राष्ट्र का वास्तविक विकास होता है।

आज समाज का सारा नक्शा बदल रहा है। परस्पर समभाव या सद्भाव केवल अब शिक्षा देने तक रह गया है। हो सकता है भीतर ही भीतर कुछ घटित हो रहा है। ये हालात जो सामने आ रहे हैं, वे आजादी के पहले से ही अन्दर ही अन्दर पनप रहे थे। राष्ट्र जिन बातों के सहारे सुरक्षित था, लगता है उनको हमारे नेताओं की वोट नीति, कट्टरवादियों की उन्मादी सोच व अवांछनीय तत्वों ने खोल दिया है। संविधान निर्माताओं ने धर्मनिरपेक्ष का शब्दार्थ कुछ भी किया हो, सकारात्मक या नकारात्मक, पर अगर देश को एक बनाए रखना है, साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखना है, तो सभी धर्मावलम्बियों को दूसरे धर्म के प्रति आदर भाव रखना होगा। अन्यथा स्वयं को बहुसंख्यक बनाने की होड के बहाने चेहरे बदलते रहेंगे, झण्डे बदलते रहेंगे, नारे बदलते रहेंगे, परिभाषाएं बदलती रहेंगी, मन नहीं बदल सकेंगे।

भ्रष्टाचार देश में अगर बढ़ रहा है, तो किसकी जिम्मेदारी बनती है? भ्रष्टाचार को कौन खत्म करेगा? आजादी के 75वें साल में इस सवाल का उठना अपने आप में गंभीर बात है। आजादी के स्वप्न में भ्रष्टाचार से मुक्ति भी शामिल थी। किसी के पास रहने को जगह नहीं और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। निस्संदेह, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ हमें मिलकर कदम उठाने पड़ेंगे। भारतीय जनता को सदैव ही किसी न किसी स्रोत से ऐसे संदेश मिलते रहे हैं। कभी हिमालय की चोटियों से, कभी गंगा के तटों से और कभी सागर की लहरों से। कभी ताज, कुतुब और अजन्ता से, तो कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध और महावीर से। कभी गुरु नानक, कबीर, रहीम और गांधी से और कभी कुरान, गीता, रामायण, भगवत् और गुरुग्रंथों से। यहां तक कि हमारे पर्व होली, दीपावली भी संदेश देते रहते हैं। निश्चित ही इन संदेशों से भारतीय जन-मानस की आजादी सम्भलती रही, सजती रही और कसौटी पर आती रही तथा बचती रही।

कोई भी विकसित होता हुआ देश किन्हीं समस्याओं पर थमता नहीं है। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। वास्तविक आजादी को हासिल करने के लिये हमें कुछ संकल्प लेने होंगे, जिनमें पहला संकल्प है, विकसित देश बनना। दूसरा संकल्प, देश के किसी कोने में गुलामी का अंश न रह जाए। हमें औरों के जैसा दिखने की कोशिश करने की जरूरत नहीं है। हम जैसे भी हैं, वैसे ही सामर्थ्य के साथ खड़े हो। तीसरा संकल्प, हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। चौथा संकल्प, देश में एकता और एकजुटता रहे। पांचवां संकल्प, नागरिकों का कर्तव्य। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली-पानी देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली-पानी खर्च करना। अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को वास्तविक आजादी का स्वाद चखने से कोई नहीं रोक सकेगा।

आजादी प्राप्ति के बाद जीवन धारा को जो रास्ता लेना था, वह नहीं मिला। हम आजादी का सदुपयोग नहीं कर सके। मनुष्य-मनुष्य में जब तक प्रेम और सहयोग का अटल नियम नहीं माना जायेगा तब तक उभयपक्षी की स्वतंत्रता नहीं रह सकती। हमने यह अनदेखा किया। न्याय हमें एक-दूसरे के अधिकारों की सीमा को लांघने के लिए विवश नहीं करता। स्वार्थवश यह दृष्टि हम नहीं अपना सके। सहिष्णुता ऐसी किसी उल्लंघन की अवस्था में परस्पर विद्वेष, कलह, और संबंध को रोकती है। इसका भी हम अर्थ नहीं समझ सके। विपरीत स्थितियां आती रहीं, चुनौतियां आती रहीं पर सत्य, अहिंसा, राष्ट्रवाद के शाश्वत संदेश सदैव मिलते रहे। यह और बात है कि हम राष्ट्रीय चरित्र के पात्र नहीं बन सके। आजादी के बाद से जोड़-तोड़ की राजनीति चलती रही। पार्टियां बनाते रहे फिर तोड़ते रहे। अनुशासन का अर्थ हम निजी सुविधानुसार निकालते रहे। जिसका विषैला असर प्रजातंत्र के सर्वोच्च मंच से लेकर साधारण नागरिक की छोटी से छोटी इकाई गृहस्थी तक देखा जा सकता है। बच्चा-बच्चा अपनी जाति में वापिस चला गया। कस्बे-कस्बे में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान की सीमायें खिंच गईं। क्रांति का मतलब मारना नहीं राष्ट्र की व्यवस्था को बदलना होता है। आजादी के आह्वान का हार्द व्यवस्था को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित आजादी दिलाना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे।

दुनिया जीत लेने की चाहत हर इंसान की होती है। यह तो हुई सकारात्मक मन की उड़ान, लेकिन उस मन की उड़ान को कैसे संभाला जाए जो सिर्फ अपने बारे में सोचता है उसे जिसे सिर्फ किसी भी कीमत पर दुनिया जीतने की चाह होती है वह अपने मन के घोड़ों को बेलगाम छोड़ देता है। यह समझ ही नहीं पाता कब उसके मन के बेलौस घोड़े कितने दिलों को चोट पहुंचा गए, कितने इंसान अपने करीबियों की जिंदगी में खलबली मचा गए। कब उसकी मन में जगी सत्ता की भूख हजारों निर्धनों के मुंह का निवाला लील गई। कब स्वतंत्रता का निर्भय, कोमल अहसास स्वच्छंदता के कायर और दंश देने वाले हथियार में बदल गया। यहीं से आरंभ होती है स्वतंत्रता-स्वच्छंदता की धूमिल होती सीमा रेखा की। जिस तरह दुख के बारे में बातें बिना सुख की चर्चा के पूरी नहीं हो सकतीं उसी तरह आजादी भी बिना आजादी के दुरुपयोग की चर्चा बिना अधूरी है। आजादी अपने साथ बहुत जिम्मेदारियां लेकर आती है उन उत्तरदायित्वों के निर्वाह और एहसास को समाज का कोई मापदंड या कोई करीबी भी आपके लिए नहीं गढ़ सकता। उन सिद्धांतों को गढ़ने के लिए अपने भीतर झांकने की जरूरत होती है जिसकी बात अमृता प्रीतम करती हैं। 'फ्रॉम सेल्फ टू ग्रेटर सेल्फ' खुद से खुद की यात्रा अक्सर सृजनात्मक कार्य के जिम्मे ही आती हैं जो न जाने कितनी अनकही अनदेखी बातों, भावों को हमारे सामने ले आते हैं।

आयुक्त जनसम्पर्क श्री सिंह ने जनसम्पर्क संचालनालय में किया ध्वजारोहण

भोपाल। आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह ने 77वें स्वतंत्रता दिवस पर जनसम्पर्क संचालनालय में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस दौरान अपर संचालक श्री सुरेश गुप्ता और डॉ. एच.एल. चौधरी एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेना ही सच्ची स्वतंत्रता है

इंदौर। ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान शिखर ओम शांति भवन में 77 वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उज्जैन संभाग सेवाकेंद्रों की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि हमारे देश के वीर शहीदों ने ठान लिया कि हमें मरना है, मिटना है, लेकिन देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराना ही है। उनके दृढ़ संकल्प से, बलिदान से भारत फिरंगियों से स्वतंत्र हो गया। यह हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। आज का दिन उन बलिदानियों को नमन करने का दिन है।

जबलपुर सेवा केंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी विमला दीदी ने कहा कि हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी से तो आजाद हो गया लेकिन स्वतंत्र होने के बाद भी देश में अनेक प्रकार की समस्याएं, दुख- अशांति एवं तनाव है ,इन सबका कारण आज हम पांच विकारों के कारण अनेक बुराइयों के बंधन में बंध गए हैं। अतः आज हम सबको मिलकर इस राष्ट्रध्वज के नीचे संकल्प लेना है कि अपने जीवन में, परिवार में, समाज में और देश में सुख- शांति, खुशहाली लानी है तो इन विकारों के बंधन से स्वयं को मुक्त कर अपने अंदर देवी संस्कारों को लाना है। हम जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करेंगे तब ही यह भारत पुनः रामराज्य स्वर्णिम भारत बनेगा और बापू गांधी जी का रामराज्य का सपना साकार होगा। सच्चे अर्थों में तभी स्वतंत्रता दिवस मनाना सार्थक होगा।

शक्ति निकेतन की कुमारी मधुबाला ने भारत की महानता का वर्णन करते हुए स्वामी विवेकानंद के चरित्रों को याद करते हुए कहा कि हम सब आध्यात्मिकता के पथ पर चलेंगे तो भारत पुनः सुपर पावर विश्व गुरु बन जाएगा। इस अवसर ब्रम्हाकुमारी आकांक्षा बहन ने वंदे मातरम देशभक्ति गीत गाया। कुमारी जीविका ने देश भक्ति के गीत पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी तथा कुमार जय ने सिंथेसाइजर बजाकर तेरी मिट्टी में मिल जावा गीत गाकर सबको देश भक्ति के रंग में रंग दिया।

विशेष रुप से ब्रम्हाकुमारी उषा दीदी उज्जैन, ब्रम्हाकुमारी विमला दीदी जबलपुर, ब्रम्हाकुमारी अनिता दीदी, ब्रम्हाकुमारी उषा दीदी ओमशान्ति भवन इंदौर ने मिलकर राष्ट्रध्वज फहराया तथा अंत में सभी ने राष्ट्रगान गा कर भारत के वीर सपूतों को याद कर उनके साहस को नमन किया। अंत में सभी को ईश्वरीय प्रसाद देकर मुंह मीठा कराया।

अपोलो हॉस्पिटल में 'ऑर्गन डोनर्स वॉल ऑफ रिमेंबरेंस' का अनावरण किया गया

अस्पताल ने मृत डोनर और जीवित दाताओं को सम्मानित किया

इंदौर। इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे के अवसर पर,लीडिंग मल्टीस्पेशलिटी क्वाटरनरी केयर हॉस्पिटल, अपोलो हॉस्पिटल्स, इंदौर ने आज एण्ड स्टेज ऑर्गन डिजीज पेशेंट को जीवन का उपहार देने वाले मृत ऑर्गन डोनर को सम्मानित करने के लिए स्मृति की एक यूनिक वॉल का अनावरण किया। अस्पताल ने मृत दाताओं को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि, श्री शंकर लालवानी, सांसद सदस्य, इंदौर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अपोलो हॉस्पिटल इंदौर के डायरेक्टर और सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अशोक वाजपेयी ने कहा, अपोलो अस्पताल वर्तमान में किडनी ट्रांसप्लांट को कवर करने वाला एक बहुत ही एक्टिव ट्रांसप्लांट प्रोग्राम चलाता है जिसे कुछ दिनों में शहर में हमारे दूसरे अस्पताल के साथ लीवर और हार्ट ट्रांसप्लांट तक विस्तारित किया जाएगा। मैंने 4 साल पहले हमारे अस्पताल में अपना किडनी ट्रांसप्लांट करवाया था और ठीक होने के बाद मैं अपने मरीजों को आराम से देखभाल करते हुए देख रहा हूं। मृत ऑर्गन डोनर की याद में वॉल ऑफ रिमेंबरेंस न केवल उनके उदार कार्य का सम्मान करेगा बल्कि लोगों को अंग दान के लिए स्वेच्छा से प्रोत्साहित भी करेगा। यह वॉल ब्रेन में गंभीर और अपरिवर्तनीय चोट लगने के कारण वे ब्रेन डेड हुए डोनर्स के परिवारों के साहस का एक प्रमाण है। इंदौर के अपोलो हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट और किडनी ट्रांसप्लांट प्रोग्राम डॉ. जय कृपलानी ने कहा, टर्मिनल किडनी फेल्योर से प्रभावित रोगियों में किडनी ट्रांसप्लांट की लाइफ सेविंग पॉवर बेजोड़ है। डोनर्स और ऑर्गन की आवश्यकता बढ़ रही है और बढ़ती रहेगी। ब्रेन डेथ के बाद अंगदान के महत्व पर भी जोर देते हुए, जो ऑर्गन डोनेशन के ज्यादातर मामलों में प्राइमरी सोर्स में से एक बना हुआ है, डॉ. कृपलानी ने कहा, 2021 में, केवल लगभग 14प्र. मृत डोनर थे। जागरूकता बढ़ाने और गैप को कम करने की तत्काल आवश्यकता है, मृत्यु पश्चात ऑर्गन डोनेशन के बारे में जागरूकता फैलाना बेहद महत्वपूर्ण है। सांसद, श्री शंकर लालवानी जी ने कहा, मैं इस वॉल ऑफ रिमेंबरेंस को बनाने के लिए अपोलो हॉस्पिटल्स की सराहना करता हूं, जो इंदौर और हमारे राज्य में ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा देने में काफी मददगार साबित होगी।

इंदौर में पिछले वर्ष लगभग 51 ग्रीन कॉरिडॉर हुए है , इंदौर को ऑर्गन डोनेशन में भी नंबर 1 बनाना है! माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश को आव्हान किया है, की इस बार लगभग 1 करोड़ लोगो का संकल्प पत्र भराया जायेगा अंगदान को लेकर, साथ जी जनजागरण अभियान भी चलाएंगे!

हर घर तिरंगा अभियान; कमिश्नर-कलेक्टर ने निकाली यात्रा, जमकर थिरके टीआई

इंदौर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार सुबह पलासिया से गीता भवन तक साइकिल रैली निकाली गई। इस रैली में कमिश्नर मालसिंह और कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी भी साइकिल चलाकर शामिल हुए। रैली में सौ से ज्यादा साइकिल सवार शामिल हुए। एक अन्य तिरंगा यात्रा चिन अभियान के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस रैली में सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, मधु वर्मा आदि नेता शामिल हुए। एक अन्य तिरंगा यात्रा चिमनबाग से राजबाडा तक निकाली गई जिसमें कई लोगों ने हिस्सा लिया। इसी कड़ी में शनिवार को भी मूसाखेड़ी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गांधी नगर थाना टीआई अनिल यादव देशभक्ति गानों पर जमकर थिरके। टीआई यादव का यह डांस करता वीडियो तेजी से अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

एजुकेट गर्ल्स संस्था के टीम बालिकाओं ने 'एक पेड़ बालिका शिक्षा के लिए' नारा लगाकर मनाया अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एजुकेट गर्ल्स संस्था के 400 टीम बालिकाओं ने लगाएं 550 से अधिक पेड़

इंदौर। बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ बालिका शिक्षा के लिए' नारा लगाकर अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। मध्य प्रदेश एजुकेट गर्ल्स की 400 टीम बालिकाओं ने 550 से अधिक पेड़ लगाए। इस पहल के माध्यम से शाश्वत विकास और जलवायु परिवर्तन कम करने के लिए शिक्षित लड़कियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस साल अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की थीम 'युवाओं के लिए हरित कौशल- एक सतत विकास की ओर' है।

दुनिया हरित परिवर्तन की ओर अग्रसर है। पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल दुनिया की ओर बदलाव न केवल वैश्विक जलवायु संकट का जवाब देने के लिए बल्कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। टीम बालिका लंका भवेल ने बताया प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि वह अपने जीवन में

एक पेड़ लगाकर उसकी देखभाल अवश्य करें। अधिक संख्या में पेड़ लगाकर हम पर्यावरण को बचा सकते हैं। लगातार पेड़-पौधों की कटाई के चलते पृथ्वी पर पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।। इस पहल के माध्यम से और 'एक पेड़ बालिका शिक्षा के लिए' नारा लगाकर हम समाज में बालिका शिक्षा के साथ हरित भविष्य के लिए जागरूकता पैदा करेंगे। एजुकेट गर्ल्स संस्था के फील्ड ऑपरेशंस हेड विक्रम सिंह सोलंकी ने कहा, दुनिया में शिक्षा, सामाजिक न्याय, वैश्विक शांति, जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मामलों में युवाओं और खास कर शिक्षित लड़कियों की भूमिका निर्णायक होती हैं। एक शिक्षित लड़की अपने समुदाय और विश्व में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य करती है। हम पिछले 15 सालों से युवा टीम बालिकाओं की मदद से लड़कियों को शिक्षा से जोड़ने का काम कर रहे है। 'एक पेड़ बालिका शिक्षा के लिए', इस विचार के साथ हम युवा लोगों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना और हरित कौशल को बढ़ावा देना चाहते हैं।

स्वतंत्रता दिवस संदेश में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 2030 के विकास विजन का किया खुलासा

45 लाख करोड़ रूपये तक बढ़ेगा अर्थ-व्यवस्था का आकार

- एक करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर लायेंगे
- प्रति व्यक्ति आय दोगुना होगी
- कृषि उत्पादन को बढ़ाकर 10 करोड़ मीट्रिक टन किया जाएगा
- म.प्र. में हुई 10 क्रांतियाँ, विकास का इन्द्रधनुष बना प्रदेश
- ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी बनेगी

भोपाल।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपने स्वतंत्रता दिवस संदेश में वर्ष 2030 के लिये विकास का विजन बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की अर्थ-व्यवस्था का आकार 45 लाख करोड़ रूपये तक बढ़ाया जायेगा। एक करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जायेगा। प्रति व्यक्ति आय को दोगुना किया जायेगा। कृषि उत्पादन को बढ़ाकर 10 करोड़ मीट्रिक टन तक लाया जायेगा। हर किसान के खेत के अंतिम छोर तक भरपूर सिंचाई सुविधा मिलेगी। सिंचाई क्षमता 65 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाई जायेगी। ऊर्जा क्षमता वर्तमान के 29 हजार मेगावॉट से बढ़ाकर 38 हजार मेगावॉट से भी अधिक की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 लाख किलोमीटर लंबाई की नई सड़कों का जाल बिछा दिया जाएगा। सभी जिला मुख्यालयों को 4 लेन सड़कों से जोड़ा जाएगा। सभी नगरीय निकायों को 2 लेन सड़कों से जोड़ दिया जायेगा। सभी शासकीय मेडिकल कालेजों में नर्सिंग कालेज स्थापित किए जायेंगे। हर विकास खंड मुख्यालय पर कम से कम 30 बिस्तर के सर्व सुविधायुक्त अस्पताल की सुविधा मिलेगी। मातृ मृत्यु दर को घटाकर 100 प्रति लाख तक और शिशु मृत्यु दर को घटाकर 35 प्रति हजार तक लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश से कुपोषण के कलंक को पूरी तरह मिटा दिया जाएगा। राज्य सरकार 6 हजार से अधिक सर्वसुविधायुक्त सी.एम. राईज स्कूलों का संचालन प्रारंभ कर देगी। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लगभग 25 हजार रिक्त पद भर दिए जाएंगे। प्रदेश के 45 हजार आँगनवाड़ी केंद्रों को प्री-प्रायमरी स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रत्येक विकासखण्ड में कम से कम एक सरकारी कॉलेज होगा, ताकि विद्यार्थियों को अपने घर के नजदीक ही उच्च शिक्षा की सुविधा मिल सकें। प्रत्येक जिला में एक कॉलेज का उत्कृष्ट कॉलेज के रूप में उन्नयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्य वर्तमान 53 लाख से बढ़ाकर 65 लाख और महिला स्व-सहायता समूह को वर्तमान 04 लाख 20 हजार से बढ़ाकर 5 लाख 10 हजार किया जाएगा। प्रदेश में 200 करोड़ रुपए के निवेश से 1 हजार से अधिक एफ.पी.ओ. गठित किए जाएंगे। महिलाओं की न्यूनतम आय 10 हजार रुपए प्रतिमाह तक पहुँचाने के लिए ठोस रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। मेक इन मध्यप्रेश को प्रोत्साहित करते हुए प्रदेश के निर्यात को एक लाख करोड़ रूपये तक ले जायेंगे। भोपाल एवं इन्दौर के मध्य एक नया ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट एवं इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राष्ट्रपति पदक से सम्मानित पुलिस अधिकारियों का निवास पर स्वागत किया

पुलिस कर्मियों के खाते में हर महीने 15 लीटर पेट्रोल के पैसे डाले जाएंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शांति-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस अपनी भूमिका का अच्छे ढंग से निर्वहन कर रही है। प्रदेश की पुलिस और बेटा-बेटियों पर मुझे गर्व है। मैं आपके परिवार का मुखिया हूँ, जब भी जरुरत पड़ेगी आपके साथ खड़ा रहूँगा। पुलिसकर्मी अपने बच्चों और परिवार के साथ समय बिता सकें इसलिए प्रदेश में साप्ताहिक अवकाश की व्यवस्था की गई है। तनावमुक्त रहकर ज्यादा अच्छे से कार्य कर सकें, इसलिए राज्य सरकार ने पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए कई योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। हर महीने 15 लीटर पेट्रोल के पैसे पुलिसकर्मियों के खाते में डाले जाएंगे। शीघ्र ही 25 हजार आवास बनाएंगे ताकि रहने के लिए घर मिल सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर राष्ट्रपति पदक प्राप्त पुलिस, नगर सेना और जेल विभाग के वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा पदक प्राप्त 64 अधिकारियों एवं कर्मचारियों, दो अन्य विभूतियों तथा उनके परिजन का स्वागत और सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री महानिदेशक होमगार्ड श्री अरविंद कुमार, महानिदेशक जेल श्री राजेश चावला तथा अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं सरकार नहीं परिवार चलाता हूँ, उसी परिवार के आप भी सदस्य हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पुलिस के जवान अपराधियों, हत्यारों, नक्सलियों और आतंकवाद का डटकर मुकाबला करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शौर्य स्मारक पहुँचकर शहीदों को नमन किया

भोपाल।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता की वर्षगांठ पर आज शौर्य स्मारक पहुंचकर शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नियमित पौधरोपण के अंतर्गत आज शौर्य स्मारक परिसर में शहीदों की स्मृति में पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भारत माता की प्रतिमा पर भी नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान भी उपस्थित थीं। संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को शौर्य स्मारक में आने वाले नागरिकों के लिए विकसित की गई सुविधाओं की जानकारी दी।

स्वतंत्रता दिवस केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, जनता का कार्यक्रम बने-मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री चौहान तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं है, यह जनता का कार्यक्रम बन जाए, इसके लिए 15 अगस्त को हर घर तिरंगा जरूर फहराया जाए। उन्होंने नागरिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच प्रण की शपथ लेने का आव्हान किया। तिरंगा झंडा देश भक्ति, विकास और हमारे आत्मसम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री चौहान भोपाल में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा यात्रा के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री चौहान ने तिरंगा यात्रा में सहभागिता भी की। इस अवसर भी महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा तथा जनप्रतिनिधि, लाड़ली बहनें, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, क्रांतिकारियों के बलिदान से हमें आजादी मिली है। हम प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि सभी प्रदेशवासी शिक्षित, समृद्ध प्रदेश बनाने का संकल्प लें। आगामी 27 अगस्त को रक्षा बंधन के पूर्व जम्बूरी मैदान, भेल में लाड़ली बहनाओं के साथ संवाद करेंगे। प्रारंभ में मुख्यमंत्री चौहान ने भोपाल विलीनीकरण शहीद स्मृतिद्वार पर शहीदों को नमन तथा कन्या पूजन कर तिरंगा यात्रा प्रारंभ की और स्वयं भी सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री चौहान का भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय ने तिरंगा पगड़ी पहना कर स्वागत किया। तिरंगा यात्रा का समापन कर्फ्यू वाली माता चौराहे पर हुआ। मुख्यमंत्री चौहान ने तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम में झंडा वंदन में मशाल प्रज्जवलन और भारत माता का पूजन भी किया। कार्यक्रम स्थल पर तिरंगा थीम पर आधारित फूलों, गुब्बारों तथा कपड़े से सजावट की गई। तिरंगा यात्रा के मार्ग के दोनों तरफ, आवासों तथा प्रतिष्ठानों से नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

दस महत्वपूर्ण सामाजिक क्रांतियों से देश में विकास का मध्यप्रदेश मॉडल बना उदाहरण-मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर, ली परेड की सलामी

मध्यप्रदेश में लोकतंत्र की परिभाषा को किया गया जीवंत

लाड़ली बहनों को लाभान्वित कर सार्थक हुआ मेरा मुख्यमंत्री बनना

मुख्यमंत्री जन आवास योजना से मिलेगा सभी को आवास, कोई नागरिक बिना छत नहीं रहेगा

प्रदेश में प्रत्येक 50 परिवार पर होगा एक जन सेवा मित्र

डबल इंजन सरकार प्रदेश को सच्चे अर्थों में रिफोर्म, परफोर्म और ट्रांसफोर्म कर रही है

वर्ष 2030 तक विभिन्न क्षेत्रों में लक्ष्य प्राप्ति के लिए जनता के सामने रखा विजन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में सभी नागरिकों को पक्का मकान मिलेगा। कोई परिवार बिना छत के नहीं रहेगा। आवास प्लस में जो लोग शामिल नहीं हैं उन हितग्राहियों को भी योजना में शामिल किया जाएगा, मुख्यमंत्री जन आवास योजना बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना में बचे हुए परिवारों को भी जोड़ा जाएगा ताकि उन्हें उपचार की सुविधा मिल सके। जो परिवार इनकम टैक्स नहीं देते या अन्य किसी माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं लेते उन सभी परिवारों को आयुष्मान योजना में सम्मिलित किया जाएगा। मध्य प्रदेश में आयुष्मान योजना में 3 करोड़ 50 लाख से अधिक नाम जोड़े गए हैं। मध्यप्रदेश में लोकतंत्र की परिभाषा जनता का जनता के लिए और जनता द्वारा शासन को सही अर्थों में जीवंत किया गया है। मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र, जनता और सरकार के बीच का काम करते हैं। इन्हें प्रत्येक 50 परिवारों पर दायित्व दिया जाएगा। प्रदेश में करीब 3 लाख युवाओं को इस दायित्व से जोड़ेंगे। प्रदेश का कोई भी कोना या कोई भी दिशा विकास से वंचित न रहे, इसके लिए केन्द्र के साथ राज्य की डबल इंजन सरकार सच्चे अर्थों में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आजादी के अमृतकाल में 21वीं सदी का एक समर्थ और समृद्ध भारत आकार ले रहा है। दुनिया भारत की ओर देख भी रही है और भारत से सीख भी रही है। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ जनता की जिन्दगी बदलना मध्यप्रदेश सरकार का मिशन है। देश के 140 करोड़ लोगों के साथ ही दुनिया के 100 देशों को कोविड से बचाव की वैक्सीन उपलब्ध करवाने में प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से हम सभी परिचित हैं। आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं।

भारत का मंत्र है, हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन कोई हमें छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं।

आजादी हमें सहजता से नहीं, हजारों लोगों के त्याग और बलिदान से मिली है-मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान आजादी का महापर्व कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत को आजादी सहजता से नहीं, हजारों लोगों के त्याग, तपस्या और बलिदान से मिली है। आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकता। मध्यप्रदेश के क्रांतिकारियों ने भी आजादी की लडाई में बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लिया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर रविन्द्र भवन में अमृत महोत्सव अंतर्गत संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित आजादी का महापर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ, इंडिया गेट पर लगाई गई है। शहीदों के स्मारक बन रहे हैं। स्मारक बनाकर हम उन वीरों की पूजा भी करते हैं। इसके बिना कोई देश विकास और प्रगति नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वराज संस्थान को आजादी की गाथाओं पर पुस्तक प्रकाशित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों को जरूर पढ़ें, अमर शहीदों के सर्वस्व न्यौछावर की वजह से हमें आजादी मिली है, इसे व्यर्थ न जाने दें। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में गौरवशाली, वैभवशाली, समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है।

स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि आज का कार्यक्रम अद्भुत और अनूठा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में संस्कृति विभाग पूरे समर्पण से कार्य कर रहा है। आने वाली पीढ़ी क्रांतिकारियों से परिचित हो सके इसके लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास पर आधारित पांच पुस्तकों का विमोचन किया। आभार प्रदर्शन प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में सिने कलाकार श्री अन्नू कपूर और उनके दल ने देश भक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

दिशा पाटनी से ब्रेकअप के बाद टाइगर श्रॉफ की जिंदगी में नई दिशा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री दिशा पटानी रिलेशनशिप में थे, लेकिन डेढ़ साल पहले उनका ब्रेकअप हो गया। दोनों ने अपने ब्रेकअप का खुलासा तो नहीं किया, लेकिन एक इंटरव्यू में टाइगर ने कहा था कि वह सिंगल हैं। उसके बाद उन्हें और दिशा को एक साथ नहीं देखा गया। ऐसे में टाइगर की जिंदगी में एक और दिशा को लेकर चर्चाएँ हो रही हैं। सूत्रों के हवाले से मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाइगर पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से एक लड़की को डेट कर रहे हैं। उनका नाम दिशा धानुका है और वह एक प्रोडक्शन हाउस में बड़े पद पर काम करती हैं। दिशा पाटनी से ब्रेकअप के बाद टाइगर और दिशा लगभग डेढ़ साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दिशा स्क्रिप्ट में टाइगर की मदद करती हैं, जबकि टाइगर उन्हें फिटनेस टिप्स देते हैं। टाइगर के परिवार को भी दिशा पसंद हैं।

अक्षय कुमार को मिली भारतीय नागरिकता

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार अब भारतीय नागरिक बन गए हैं. जी हांह्व उन्हें भारतीय नागरिकता मिल गई है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए लोगों को सबूत भी दिखा दिया है. उनके एक पोस्ट के बाद फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनको भारतीय नागरिकता मिलने का स्वागत कर रहे हैं. अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन सुपरस्टार्स में से एक हैं, जो अक्सर सामाजिक मुद्दों पर फिल्में बनाते हैं. पैडमैन से लेकर हाल ही में रिलीज हुई ह्यडटत्र् 2ह्व तक में उन्होंने भारतीय समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया है. हालांकि, उनके पास कनाडा की नागरिकता होने के चलते इस मुद्दे पर वह अक्सर विवादों में रहे हैं.

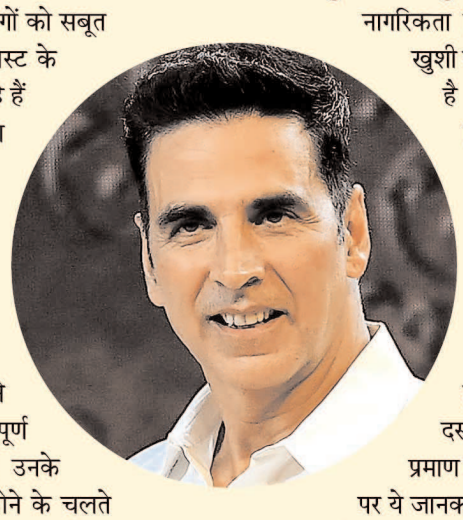

कनाडा की नागरिकता के चलते वह सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होते रहे हैं. इतना ही नहीं ट्रोल्स उन्हें सोशल मीडिया पर कनाडा कुमार तक बुलाते रहे हैं. लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद अक्षय कुमार का खुशी का ठिकाना नहीं है और यही कारण है कि उन्होंने भारतीय नागरिकता मिलते ही इस बात को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ साझा की है.

अक्षय कुमार ने एक लाल रंग की सरकारी दस्तावेज की तस्वीर साझा की है. जिस पर भारतीय राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह बना हुआ है. भारत सरकार के इस दस्तावेज पर लिखा है ह्यनागरिकता प्रमाण पत्रह्व. अक्षय ने खुद सोशल मीडिया पर ये जानकारी देते हुए लिखा- अब दिल और सिटिजनशिप दोनों हिंदुस्तानी है. हैप्पी इंडिपेंडेंस डे.. जय हिंद.

विश्व कप से ठीक पहले आउट ऑफ फॉर्म हुए शुभमन गिल?

इस साल जून से शुभमन भारत के लिए सबसे ज्यादा 11 मैच खेल चुके हैं और इसकी 13 पारियों में 25.33 की औसत से 304 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज खेली, लेकिन कुछ खास रन नहीं बना सके।

भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। सबसे शर्मनाक बात यह रही कि टी20 रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-वन टीम इंडिया उस टीम के खिलाफ हारी है जो 2022 टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। विंडीज दौरे पर टेस्ट मैचों को छोड़ दें तो वनडे सीरीज में भी भारतीय टीम को जीत के लिए जूझना पड़ा था। इस दौरे पर भारत के लिए सबसे निराश करने वाली बात शुभमन गिल का फॉर्म है।

पांच अक्तूबर से भारतीय सरजमीं पर ही वनडे वर्ल्ड कप की शुरूआत हो रही है। उससे ठीक पहले शुभमन गिल आउट ऑफ फॉर्म हो गए हैं। शुभमन को आने वाले समय का बड़ा बल्लेबाज बताया जा रहा है। खुद हेड कोच राहुल द्रविड़ भी शुभमन की तारीफ कर चुके हैं और उन्हें फ्यूचर स्टार बता चुके हैं। हालांकि, उनके मौजूदा प्रदर्शन ने फैंस को काफी निराश किया है।

कौन भूल सकता है वह 15 अगस्त का दिन धोनी-रैना ने फैंस की आंखों में लाए थे आंसू

नई दिल्लीः 15 अगस्त का दिन कौन भूल सकता है. आज ही के दिन भारत को क्रिकेट का लगभग सभी खिताब जिताने वाले पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था. उनके साथ-साथ टीम इंडिया के पूर्व धाकड़ ऑलराउंडर खिलाड़ी सुरेश रैना ने भी क्रिकेट को गुड बाय कह दिया था. माही ने सर्वप्रथम साल 2014 में टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान किया था. उसके करीब छह साल बाद 15 अगस्त साल 2020 को सीमित ओवरों के प्रारूप से भी रिटायरमेंट ले ली.

धोनी ने अपने रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए एक वीडियो उस दौरान सोशल मीडिया पर साझा किया था. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, ह्यआपके प्यार और समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद. 1929 बजे से मुझे रिटायर समझें. इस दौरान उन्होंने मुकेश कुमार का एक बेहद ही खूबसूरत गाना मैं पल दो पल का शायर हूं बैकग्राउंड में लगाया था.

रैना ने भी क्रिकेट को कहा अलविदाः धोनी के संन्यास लेने के कुछ देर बाद ही रैना ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की पुष्टि कर दी. हालांकि इसके बावजूद वह आईपीएल और डोमेस्टिक क्रिकेट में खेलते रहे. लेकिन बीते साल उन्होंने क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास ले लिया. रैना को साल 2022 की मेगा आईपीएल नीलामी में किसी टीम ने भी नहीं खरीदा था.

धोनी का इंटरनेशनल क्रिकेट करियरः धोनी अपने क्रिकेट करियर के दौरान भारतीय टीम के लिए कुल 538 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने में कामयाब रहे. इस बीच उनके बल्ले से 144 टेस्ट पारियों में 38.09 की औसत से 4876, वनडे की 297 पारियों में 50.58 की औसत से 10773 और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की 85 पारियों में 37.6 की औसत से 1617 रन निकले. वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्हें वनडे में एक सफलता हाथ लगी.

स्टाइलिश दिखने में काम आएंगे ये नुस्खे

नौकरी, पैसा, पद अपनी जगह हैं, लेकिन कहीं भी पहला प्रभाव हमारे पहनावे और स्टाइल से ही पड़ता है। इसलिए अक्सर लोग इस बात को लेकर सतर्क रहते हैं कि वह कैसे दिख रहे हैं। हमेशा स्टाइलिश दिखने की यह चाहत गलत भी नहीं है। लेकिन अगर व्यस्तता के चलते आपके लिए कुछ चीजें मुश्किल हैं तो कुछ उपाय आप आजमा सकती हैं।

हर कोई स्टाइलिश और स्मार्ट दिखना चाहता है। अपने लुक को लेकर सब दूसरों की तारीफ बटोरना चाहते हैं। इसके लिए एक तो वक्त देना पड़ता है और दूसरा पैसा भी खर्च करना पड़ता है। सबसे अहम बात कि थोड़ी मेहनत भी करनी ही पड़ती है। कपड़ों और मैचिंग एक्सेसरीज का चुनाव कोई आसान काम तो है नहीं। व्यस्त दिनचर्या में कई बार ऐसा नहीं हो पाता। ऐसे में सबसे पहला ख्याल आराम करने का आता है। ऐसे में कुछ उपाय आपको स्टाइलिश दिखने में मदद कर सकते हैं। दिलचस्प बात ये है कि इनके लिए आपको न तो घंटों बर्बाद करने हैं न ही कपड़े चुनने के मामले में ज्यादा मेहनत ही करनी पड़ेगी।

वार्डरोब में रखें सफेद शर्ट : स्टाइल विशेषज्ञों की मानें तो सफेद शर्ट हर लड़की के वॉर्डरोब का हिस्सा होनी ही चाहिए। यह एक बहुत ही शानदार पहनावा है, जो मौके और जरूरत के हिसाब से कैजुअल भी दिख सकता है और फॉर्मल भी। बेसिक ब्लू डेनिम जींस से लेकर पार्टी वेयर स्कर्ट तक आप इसे अपनी पसंद के किसी भी तरह के बॉटम्स के साथ पहन सकती हैं और यह हर बार आपको स्टाइलिश दिखाएगा। सफेद आपको बिना ज्यादा मेहनत के क्लासी लुक देता है।

ऑल-ब्लैक आउटफिट्स : अगर आपको एक ही आउटफिट में ग्रेस, एलिगेंस, स्टाइल, ग्लैमर और क्लास सब एक ही में चाहिए तो इसके लिए ब्लैक आउटफिट्स से बेहतर कुछ भी नहीं है। ब्लैक एक ऐसा रंग है जो हर स्किनटोन और हर बॉडीटाइप पर अच्छा लगता है। अगर आपको बिना ज्यादा मेहनत किए स्टाइलिश दिखना है तो ब्लैक आउटफिट्स इसके लिए परफेक्ट है। ब्लैक टी-शर्ट के साथ ब्लैक टाइट्स या दूसरे कोई भी बॉटम्स आपको स्टाइलिश दिखाने के लिए काफी है।

ग्राफिक टी-शर्ट

ग्राफिक टी-शर्ट आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी लगती हैं। सबसे खास बात कि ये आसानी से मिल जाती हैं। इनमें आपको डिजाइन और पैटर्न में भी काफी वैरायटी मिल जाएगी। ये भले ही आपको बहुत ही कैजुअल और बेसिक चीज लगती हो लेकिन यही चीज इसको खास बनाती है। इन टी-शर्ट्स के पैटर्न और डिजाइन्स आपके लुक को ब्राइट और वाइब्रेंट बना देते हैं। इन्हें आप अपनी पसंद के किसी भी तरह के बॉटम्स के साथ पेयर कर सकती हैं, यहां तक कि आप इन्हें जॉगर्स या ट्रैक पैंट्स के साथ पेयर कर के भी स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

लेयरिंग

स्टाइल विशेषज्ञ का कहना है कि लेयरिंग एक बहुत ही स्मार्ट स्टाइलिंग हैक या टिप है जो बिना ज्यादा एफर्ट किए आपको स्टाइलिश लुक पाने में मदद करता है। लेयरिंग एक ऐसा स्टाइलिंग टिप है, जो आप एथनिक और वेस्टर्न दोनों तरह के ही आउटफिट्स के साथ आजमा सकते हैं। इसी के साथ ये स्टाइल टिप आप फॉर्मल्स और कैजुअल्स दोनों तरह की ड्रेसिंग में प्रयोग कर सकती हैं।

एक्सेसरीज का करें चुनाव

इन सभी के अलावा एक जो बहुत ही असरदार स्टाइल टिप है, जो आलसी लड़कियों के बहुत काम आएंगी। सिंपल से झुमके हों या एक स्टेटमेंट बेल्ट, ये छोटी-छोटी चीजें चुटकियों में आपके आउटफिट और आपके लुक में चार चांद लगा सकते हैं। एक फ्लोरल मैक्सी ड्रेस को आप बेल्ट के साथ और ज्यादा स्टाइलिश बना सकती हैं या फिर सिंपल से कुर्ते के साथ झुमके पहन कर अपने लुक को स्मार्ट बना सकती हैं।

काम की बातें

खूबसूरत काया के लिए दिनचर्या पर ध्यान दें

आकर्षक व्यक्तित्व का धनी हर कोई होना चाहता है। मगर इसके लिए प्रयास भी कम नहीं करने पड़ते। बेशक सुंदरता कुदरत की देन होती है, मगर इसकी हिफाजत हमारे हाथों में होती है। बाजार में उपलब्ध उत्पादों से आप कुछ पल के लिए सुंदर बन सकते हैं, लेकिन सिर्फ इन पर ही निर्भर न रहें। हमारी दिनचर्या भी काफी अहम साबित होती है। खासतौर से हम क्या खा-पी रहे हैं और शारीरिक व्यायाम को कितना महत्व दे रहे हैं। रोजाना व्यायाम करें। सादा और ताजा खाना ही खाएं, जिनमें भरपूर पोषक तत्व मौजूद हों।

मेकअप उत्पाद प्रयोग करें मगर संभलकर

खूबसूरत दिखना हर लड़की की चाहत होती है, फिर वह किसी भी उम्र की क्यों न हो। इसके लिए वह मेकअप उत्पादों का सहारा भी लेती हैं। इससे चेहरे पर निखार लाने में उन्हें मदद तो मिलती है, लेकिन अगर लापरवाही बरती जाए तो जितना निखार मिला है, उससे ज्यादा नुकसान भी हो सकता है। जी हां, मेकअप उत्पाद इस्तेमाल करें, मगर रात को सोने से पहले उन्हें हटाना न भूलें, वरना त्वचा पर दाग-धब्बे बनने शुरू हो जाएंगे। रात में सोने से पहले त्वचा को आराम देना जरूरी होता है इसलिए आपको चाहिए कि हमेशा अपने चेहरे को रात में अच्छे से साफ करके ठंडे पानी से धोएं।

मोटापे से छुटकारा दिलाएगी कॉफी

एक हालिया शोध के मुताबिक रोजाना 4 कप कॉफी पीने से कोलेस्ट्रोल कंट्रोल में रहता है। साथ ही आपके फैट को भी मैनेज करता है। इलिनोइस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि कैफीन हाई शुगर और फैट वाली डाइट लेने के बावजूद शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा को नियंत्रित रखने का काम करती है, साथ ही वजन को सीमित रखती है। शोध में यह भी कहा गया है कि कैफीन हमारे शरीर के फैट कोशिकाओं में लिपिड की मात्रा को 20 से 41 प्रतिशत तक कम करती है। यानी इतनी क्षमता के साथ फैट बढ़ने से रोकता है। वैज्ञानिकों ने अपना यह शोध चूहों पर किया था।

रखें ख्याल लुक को सादा रखते हुए स्टाइलिश नजर आना है तो केप स्लीव का विकल्प बेहतर है, इन्हें शादी-ब्याह के पारंपरिक पहनावे में आजमा सकते हैं

ब्राइडल लुक के लिए बनवाएं ब्लाउज के यह स्टाइल

शादी का जोड़ा सभी दुल्हनों के लिए खास होता है। हर लड़की चाहती है कि रंग, फिटिंग और स्टाइल से लेकर किसी मामले में इसमें कोई कमी न रहे। इसलिए वह शादी से महीनेभर पहले ही लहंगा तैयार करवाना शुरू कर देती है। लेकिन लहंगे को खूबसूरत लुक देने में सबसे अहम भूमिका निभाता है ब्लाउज। आप लहंगे के साथ कैसा ब्लाउज सिलवा रही हैं, इसका ध्यान रखें-

अगर जल्द ही आपकी शादी होने वाली है तो जाहिर सी बात है शादी में पहने जाने वाले लहंगे को लेकर आप भी काफी ऊहापोह में होंगी। अगर आप चाहती हैं कि सबकी नजर आप पर टिक जाए तो अपने लहंगे के साथ-साथ ब्लाउज के स्टाइल पर भी फोकस करें। शीयर, कढ़ाईदार, पफ स्लीव सादे से लहंगे को भी खास बना देते हैं। इसलिए आप भी ब्लाउज के स्टाइलिश डिजाइन अपनाएं-

पफ स्लीव ब्लाउज : पफ स्लीव का फैशन काफी पुराना है, लेकिन एक बार फिर से चलन में है। वेडिंग आउटफिट हो, गाउन या फिर साड़ी का ब्लाउज, हर एक में ये बहुत जंचता है और साथ ही आपके लुक को भी यूनिक बनाता है। फुल स्लीव में पफ का स्टाइल उतना अच्छा नहीं लगेगा। इसे शार्ट या क्वार्टर स्लीव में ही ट्राय करें।

एम्ब्रॉयडेड स्लीव : लहंगा हो, दुपट्टा या फिर ब्लाउज, एम्ब्रॉयडरी है हर एक में हिट एंड फिट। किसी भी सादे आउटफिट की खूबसूरती एम्ब्रॉयडरी से बढ़ाई जा सकती है।

दुल्हनों के अलावा उनकी बहन और सहेलियां भी इस स्टाइल को आजमा सकती हैं। फुल स्लीव ब्लाउज में इनका लुक और ज्यादा खूबसूरत लगता है।

केप स्लीव्स

लुक को सादा रखते हुए स्टाइलिश नजर आना है तो केप स्लीव का विकल्प बेहतर है। शीयर, लेस, ब्रोकेड जैसे हर एक फैब्रिक में ये अच्छे लगेंगे। सबसे अच्छी बात कि इन्हें वेडिंग के पारंपरिक पहनावे से लेकर वेस्टर्न ड्रेस तक में आजमाया जा सकता है।

लेस स्लीव

मिलेगी हर किसी की अटेंशन जब लेस स्लीव वाले आउटफिट्स को करेंगी कैरी। यकीन मानिए ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे। व्हाइट, ऑफ व्हाइट के अलावा और भी दूसरे हल्के रंगों में ये बहुत बेहतरीन लगते हैं।

इंदौर जिले में देशभक्ति के जज्बे, जोश और जुनून के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मुख्य समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने किया ध्वजारोहण

इंदौर। जिले में आजादी के अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के तहत घर-घर फहराये गये राष्ट्रीय ध्वजों के बीच आज स्वतंत्रता दिवस का महापर्व देशभक्ति के जज्बे, जोश और जुनून के साथ मनाया गया। पूर्ण गरिमा, उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ इंदौर के महेश गार्ड लाइन स्थित सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा रस्मी परेड की सलामी ली।

कार्यक्रम में अपार उत्साह और उमंग के साथ राष्ट्रीय धुन के बीच जवानों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय महापर्व पर जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में भी ध्वजारोहण किया गया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत इंदौर जिले का हर घर तिरंगामय था। समारोह में पहली बार शामिल लाड़ली बहना सेना की सदस्यों की परेड आकर्षण का केन्द्र रही। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई।

मंत्री जी ने किया खुली जीप से परेड का निरीक्षण-मुख्य समारोह में मंत्री श्री सिलावट ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी तथा पुलिस आयुक्त श्री मकरंद देउस्कर भी थे। समारोह में मंत्री

श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के संदेश का वाचन किया। समारोह में सशस्त्र बलों ने स्वतंत्रता दिवस अमर रहे के नारों के साथ हर्ष फायर किये। खुले आकाश में रंगीन गुब्बारे छोड़े गये। 15 दलों ने प्रस्तुत की आकर्षक परेड- परेड का नेतृत्व आईपीएस श्री अभिषेक रंजन ने किया। उनका अनुसरण टूआईसी श्री गजेन्द्र सिंह निगवाल ने किया। परेड में कुल 15 दलों ने भाग लिया। इसमें सीमा सुरक्षा बल, आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी, 15वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल(पुरूष), जिला पुलिस बल (महिला), नगर सेना, यातायात पुलिस, एनसीसी (महिला), स्काउट, गाईड, आरआई ग्रुप, रेडक्रॉस, शौर्या दल तथा लाड़ली बहना सेना का दल प्रमुख रूप शामिल थे। बीएसएफ तथा प्रथम वाहिनी के बैंड ने सुमधुर स्वर लहरियों के साथ राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों की संगीतमयी प्रस्तुतियाँ दी।

बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। समारोह में शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीलाकाश विद्यालय, अहिल्या आश्रम क्रमांक-1 और 2, झाबुआ से आए भगोरिया दल और रागिनी मक्खर के दल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। अनुभूति सेवा संस्थान के दल द्वारा मतदाता जागरूकता आधारित गीत प्रस्तुत किया गया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले स्कूलों को भी पुरस्कृत किया गया।परेड में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दलों को भी पुरस्कृत किया गया। परेड के 'अ' वर्ग में प्रथम स्थान बीएसएफ और द्वितीय स्थान आरएपीटीसी को दिया गया। ब वर्ग में प्रथम स्थान यातायात पुलिस को और द्वितीय स्थान एनसीसी (गर्ल्स) को प्राप्त हुआ। स वर्ग में प्रथम स्थान बीएसएफ के बैंड को प्राप्त हुआ।समारोह में जिले में वर्षभर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, संभागायुक्त श्री मालसिंह, आईजी श्री राकेश गुप्ता, इंदौर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री गोलू शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, पूर्व महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने कलेक्टर कार्यालय में किया ध्वजारोहण

इन्दौर। इंदौर जिले में स्वतंत्रता दिवस पूर्ण उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अशासकीय, शासकीय, सार्वजनिक भवनों और कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किये गये। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लोवंशी, श्री रोशन राय तथा श्री राजेंद्र रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

भारत देश केवल भूमि नहीं व्यक्तियों का समूह-प्रताप करोसिया केबिनेट मंत्री

मेघदूत उपवन में ध्वजारोहण के साथ हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंदौर। भारत देश की प्रगति में डॉ बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर ने संविधान में सभी को समान अधिकार देकर जो व्यवस्था की है उससे आज देश निरंतर अग्रसर हो रहा है। देश माटी या भू भाग नहीं है वह समाज व व्यक्तियों का समूह है जिसका उत्थान होता है तो राष्ट्र समृद्ध बनता है। श्री करोसिया ने कहा कि समाज के युवाओं में नशे की लत बढ़ती जा रही है जिसे रोकने की जिम्मेदारी हम सबकी है। बस्तियों में जाएँ और वहां समझाईश दें कि जिनके बच्चे नशा करते दिखते हैं उन्हे भी बताएं। पार्षद राजू भदोरिया ने कहा कि गलत हो रहा है तो आवाज उठाएं। यातायात नियमों का पालन करें। अपनी जिम्मेदारी को समझें और राष्ट्र प्रेम को सबसे उपर रखें। अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी गम्भीरता से निभाएँ। ध्वजारोहण व सास्कृतिक आयोजन मेघदूत उपवन में एरोबिक्स क्लब मेघदूत की ओर से किया गया यहां क्लब के सदस्यों ने राष्ट्र भक्ति गीत पर प्रस्तुति दी। क्लब के मुख्य प्रशिक्षक जितेंद्र मेश्राम ने बताया कि स्वागत प्रकाश भगत व विलास पुन्डलिक ने किया। संचालन कृष्णा मेश्राम व मिष्ठी चटर्जी ने किया। आभार राजिंदर भाटिया ने फोटोग्राफी दिलीप चौहान ने की।

हाईकोर्ट में ध्वजारोहण

इन्दौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ परिसर में

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज प्रशासनिक न्यायाधीश श्री जस्टिस एस.ए. धर्माधिकारी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के न्यायाधीशगण सहित अधिकारीगण और अधिवक्तागण मौजूद थे।

15 अगस्त को स्वर साधना ग्रुप ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी

इंदौर। स्वर साधना ग्रुप द्वारा सावन को समर्पित बरसता सावन हो.. का आयोजन जाल सभागृह में किया, 15 अगस्त के दिन होने से कुछ देशभक्ति गीत की भी प्रस्तुती हुई, पुणे से अतिथि गायक स्नेहल आप्टे, चिंतन बाकीवाला ने विशेष प्रस्तुति दी, गायक महेश पलोड, हर्षिता जायसवाल, प्रफुलता चोरे, दीपक मंगनानी, बंसी कपूर, सविता कोटस्थने, गोपाल नवाल, सोनू गवते, स्नेहा गर्ग,

सुश्री.रविंद्र पवार, राकेश भोर, लोकेश निर्बले, अवधेश जी, लोकेश जी ने प्रस्तुति दी, कसा हुआ संगीत संयोजन इंटरनेशनल रिदम बैंड का था, संगतकार राजेश मिश्रा गुड्डू रवि साल्के, बबला गजभिए, अनूप कुलपारे, हेमेंद्र महावर, महेश बौरासी ने मेलोडियस संगीत देकर गीतों को जीवंत कर दिया ! हेमेंद्र महावर का तबला और बाबला गजभिए की ढोलक ने तालियां बटोरी, भावपूर्ण संचालन श्वेता फड़के ने किया, देशप्रेम से ओतप्रोत 28 नगमों की प्रस्तुति हुई, कलाकारों का स्वागत वंदना दोशी ने किया !

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)